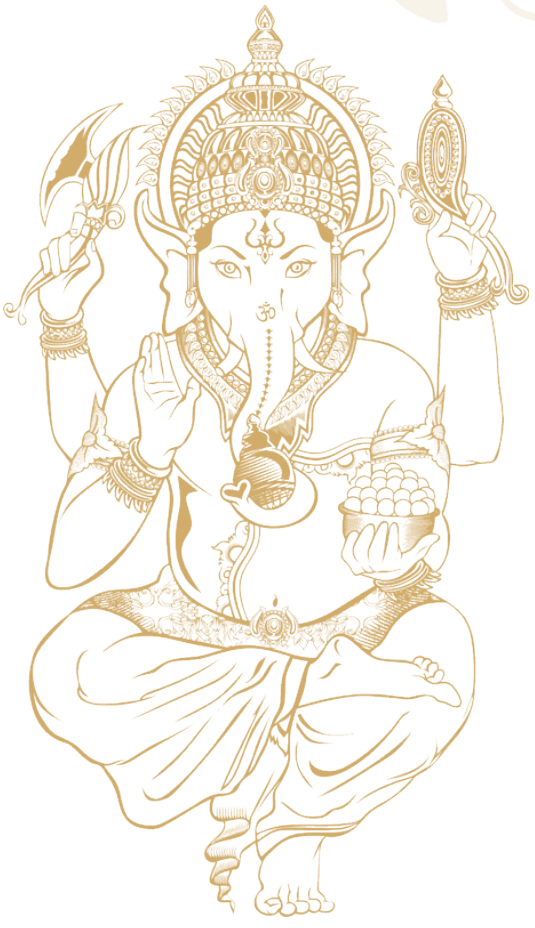

Divyam Goel

Vipra Garg

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120818205

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/01/1999	जन्म तिथि	19/08/1999
मंगलवार	दिन	गुरुवार
घंटे 17:25:00	जन्म समय	20:58:00 घंटे
घटी 25:25:01	जन्म समय(घटी)	37:44:40 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Rohtak
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:54:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	76:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:23:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:14:59	सूर्योदय	05:54:09
17:37:53	सूर्यास्त	18:59:42
23:50:26	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:55

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 4वर्ष 10मा 17दि	18:56:50	मिथु	लग्न	मीन	14:58:25	शनि 11वर्ष 5मा 29दि
सूर्य	20:50:47	धनु	सूर्य	सिंह	02:21:55	बुध
23/11/2023	04:02:03	सिंह	चंद्र	वृश्चि	08:35:54	17/02/2011
23/11/2029	26:44:30	कन्या	मंगल	तुला	27:36:44	17/02/2028
सूर्य 12/03/2024	03:50:19	धनु	बुध	कर्क	14:47:49	बुध 15/07/2013
चन्द्र 11/09/2024	28:46:53	कुंभ	गुरु	मेष	11:05:20	केतु 13/07/2014
मंगल 16/01/2025	07:10:38	मक	शुक्र व	सिंह	03:43:03	शुक्र 13/05/2017
राहु 11/12/2025	02:58:14	मेष	शनि	मेष	23:14:11	सूर्य 19/03/2018
गुरु 29/09/2026	28:46:00	कर्क	राहु	कर्क	19:01:29	चन्द्र 18/08/2019
शनि 11/09/2027	28:46:00	मक	केतु	मक	19:01:29	मंगल 15/08/2020
बुध 18/07/2028	17:21:15	मक	हर्ष व	मक	20:29:53	राहु 04/03/2023
केतु 23/11/2028	07:22:54	मक	नेप व	मक	08:29:35	गुरु 09/06/2025
शुक्र 23/11/2029	15:25:38	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	13:53:21	शनि 17/02/2028

लग्न-चलित

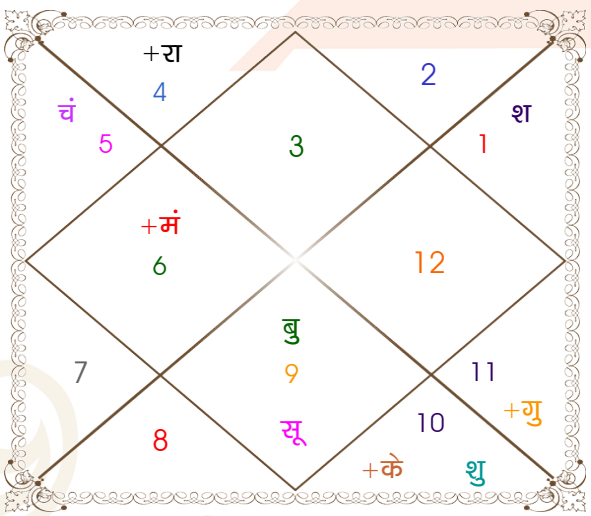

लग्न-चलित

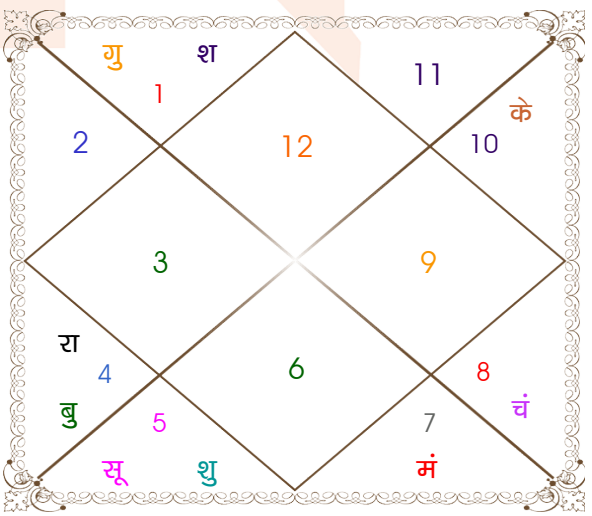

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	कीटक	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

Divyam Goel का वर्ग मूषक है तथा Vipra Garg का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Divyam Goel और Vipra Garg का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Divyam Goel मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Vipra Garg मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Divyam Goel कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Divyam Goel तथा Vipra Garg में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।